भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2850

सोमवार, 07 अगस्त, 2023/16 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पथिरामनल द्वीप का विकास

†2850. एडवोकेट ए.एम. आरिफ़:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2023-24 के केन्द्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुसार पर्यटन के पूर्ण पैकेज के रूप में देशभर में 50 गंतव्यों के विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो गंतव्यों की सूची सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनके विकास के लिए कितनी धनराशि निर्धारित की गई है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अलप्पुझा जिले के सुरम्य पथिरामनल द्वीप के उपर्युक्त गंतव्यों में से एक के रूप में विकसित किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(ग) क्या सरकार ने तीर्थ पर्यटन परिपथ के भाग के रूप में आर्थुनकल को विकसित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो निर्धारित निधियों और अब तक शुरू की गई विकास गतिविधियों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): वित्तीय वर्ष 2023-24 के केन्द्रीय बजट में यह घोषणा की गई कि एकीकृत और अभिनव दृष्टिकोण के साथ कम से कम 50 गंतव्यों का चयन चैलेंज मोड से किया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय ने बजट घोषणाओं के कार्यान्वयन के लिए हितधारकों से उपयोगी इनपुट प्राप्त करने के उद्देश्य से 'मिशन मोड में पर्यटन का विकास' विषय पर मार्च, 2023 में बजट पश्चात वेबिनार का आयोजन किया। इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने योजना का ब्यौरा तैयार करने के लिए संबंधित मंत्रालयों और उद्योग भागीदारों के साथ परामर्श भी किया है। चैलेंज मोड में विकास के लिए गंतव्यों का चयन नहीं किया गया है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने सतत और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन

2.0 (एसडी 2.0) के रूप में संशोधित किया है और एसडी 2.0 योजना के तहत विकास के लिए केरल में 'कुमारकोम' और 'कोषीकोड (बैपोर)' सहित देश में 55 गंतव्यों को चिह्नित किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में थीमेटिक परिपथों के विकास के उद्देश्य से 'स्वदेश दर्शन' योजना तथा देश में अभिज्ञात तीर्थस्थलों के एकीकृत विकास के लिए तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) योजना शुरू की थी। चूंकि पर्यटन स्थलों को अभिज्ञात करना और पर्यटन अवसंरचना का विकास करना मुख्यतः राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की जिम्मेदारी है, पर्यटन मंत्रालय उपर्युक्त योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों (यूटीए) को उनके परामर्श से और योजना दिशा-निर्देशों, निधियों की उपलब्धता आदि के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान करता है। केरल राज्य में स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

****

अनुबंध

पथिरामनल द्वीप का विकास के सम्बन्ध में दिनांक 07.08.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2850 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं के तहत केरल में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची।

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	परिपथ/स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि*
स्वदेश दर्शन				
1	इको परिपथ / 2015-16	पथनमथिट्टा-गावी-वागामोन-थेक्कडी का विकास	64.08	64.08
2.	आध्यात्मिक परिपथ/ 2016-17	सबरीमाला-एरुमेली-पंपा-सन्निधानम का विकास	54.88	27.44
3.	आध्यात्मिक परिपथ/ 2016-17	श्रीपद्मनाभ अर्नामुला का विकास	78.08	73.77
4.	ग्रामीण परिपथ/ 2018-19	मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35	30.98
5.	आध्यात्मिक परिपथ/ 2018-19	शिवगिरि श्री नारायण गुरु आश्रम-अरुविपुरम-कुन्नुमपराश्री सुब्रह्मण्यम-चेम्बजंथीश्री नारायण गुरुकुलम का विकास	66.42	27.77
प्रशाद				
6	2016-17	गुरुवायूर मंदिर में विकास	45.19	45.19

*इसमें नई वित्तीय प्रक्रिया के अनुसार केन्द्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) को जारी की गई राशि शामिल है।

****